AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि दीक्षांत : नीलेश देसाई को दी जाएगी मानद उपाधि

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। अपने 67वें दीक्षांत समारोह में लखनऊ विश्वविद्यालय इसरो के वैज्ञानिक नीलेश एम. देसाई को मानद उपाधि देगा। कार्यपरिषद के अनुमोदन के बाद अब राज्यपाल ने भी इस पर सहमति दे दी है।

प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि 16 सितंबर को होने वाले समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, नीलेश देसाई को यह उपाधि प्रदान करेंगी। वैज्ञानिक नीलेश को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोगों में योगदान के लिए जाना जाता है। उन्होंने चंद्रयान-तीन मिशन में भी अपना योगदान दिया था। वर्तमान में वह अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के निदेशक हैं।

नीलेश देसाई।

14 व 15 को अंगवस्त्र वितरण : लविवि में 16 सितंबर को दीक्षांत समारोह प्रस्तावित है। इसके लिए 14 व 15 सितंबर को अंगवस्त्र का वितरण किया जाएगा। सभी पदक व उपाधिधारकों को शैक्षिक परिधान तय कार्य दिवसों में कुलानुशासक कार्यालय के पास कक्ष संख्या पांच से प्राप्त करना होगा।

वे विषय लें जिनमें रुचि हो : कुलपति

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में नए विद्यार्थियों के लिए आयोजित दीक्षारंभ कार्यक्रम में कुलपति प्रो. आलोक राय ने कहा कि शिक्षा का अंतिम लक्ष्य विद्यार्थियों का व्यक्तित्व निर्माण है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी किसी के कहने पर विषयों का चयन न करें बल्कि उन विषयों को लें, जिन्हें पढ़ने में उन्हें रुचि है। मालवीय सभागार में दीक्षारंभ के अंतिम दिन विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों का अभिप्रेरण सत्र हुआ। डीएसडब्ल्यू प्रो. वीके शर्मा, प्रो. गीतांजलि मिश्रा, प्रो. राकेश द्विवेदी, प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव व अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। (संवाद)

शिक्षकों से मांगा संपत्ति का ब्योरा

लखनऊ। लविवि के सभी शिक्षकों से उनकी चल-अचल संपत्ति का ब्योरा मानव संपदा पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं। शासन के निर्देश के क्रम में कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने इस संबंध में पत्र जारी किया है। शिक्षक व कर्मचारियों को ईएचआरएमएस कोड व पासवर्ड संबंधित विभागों के कार्यालयों में भेज दिया गया है। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 8

मेडल पाने में लगातार दूसरे साल आगे निकलीं छात्राएं

एलयू दीक्षांत

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में 16 सितंबर को होने वाले 67वें दीक्षांत समारोह के लिए 196 पदकों की अनंतिम सूची जारी कर दी है। मेडल के लिए चयनित 107 मेधावी विद्यार्थियों में सर्वाधिक 74 छात्राएं हैं। छात्रों की संख्या 33 है। लगातार दूसरे वर्ष छात्राओं ने छात्रों से ज्यादा पदक हासिल कर अपना परचम लहराया है। इसमें एमएससी गणित की छात्रा शैलजा चौरसिया को 10 स्वर्ण सहित सबसे अधिक 13 पदक दिए जाएंगे। जबकि एलएलबी तीन वर्षीय पाठ्यक्रम की छात्रा वैष्णवी मिश्रा और एमए एआईएच की छात्रा रीमा चौधरी ने नौ-नौ स्वर्ण पदक हासिल किए हैं। जूली पटेल व हार्दिक गुप्ता को छह-छह गोल्ड, अर्पिता गुडविन, अर्पन शुक्ला, अनुराग सिंह को चार गोल्ड और निखिल सिंह, अर्शी श्रीवास्तव, जान्हवी पटेल, अदिति बाजपेयी, दिव्यांशी मिश्रा, शशांक शेखर पांडेय, प्रियांशी गुप्ता, श्रुति गुप्ता, प्रिया मिश्रा, शिखर भारती को तीन-तीन स्वर्ण पदक वितरित किए जाएंगे।

एक लाख से अधिक छात्रों को मिलेगी डिग्री: कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी का कहना है कि दीक्षांत में तकरीबन एक लाख छह हजार उपाधियों का वितरण किया जाएगा। इसमें स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएचडी की डिग्रियां शामिल हैं।

107 मेधावियों में 74 छात्राएं 33 छात्र

196 पदकों की अनंतिम सूची जारी कर दी

ललित कला के मेधावी को पदक पर संशय

कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि नौ अगस्त को हुई कार्य परिषद बैठक में रागिनी उपाध्याय स्वर्ण पदक शुरू करने को मंजूरी प्रदान की गई थी। इसे नेपाल ललित कला अकादमी की पूर्व चांसलर रागिनी उपाध्याय की ओर से आरंभ करने का प्रस्ताव रखा गया था। जिसे कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड क्राफ्ट के मेधावी विद्यार्थी को हर वर्ष दिए जाने का फैसला लिया गया है। लेकिन अभी तक पदक के लिए जरूरी प्रक्रिया नहीं पूरी की गई है। जिससे इस वर्ष यह पदक दिया जा सकेगा या नहीं, इसको लेकर संशय की स्थिति है।

आठ सौ रुपये होंगे जमा

कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी के अनुसार 14 और 15 सितंबर को 350 रुपये अंगरखा और कुर्ता, पैजामा के लिए 450 रुपये कैशियर कार्यालय में जमा कर पावती प्राप्त करनी होगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय में शनिवार को अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित हुआ।

विज्ञान की खोज में बाधा नहीं बननी चाहिए भाषा

लखनऊ। भाषा विज्ञान की खोज में बाधा नहीं बननी चाहिए। क्योंकि यह नवाचार में बाधा डाल सकती है। नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अलग तरीके से सोचना चाहिए। परिवर्तनकारी बदलावों को अपनाना चाहिए। यह बातें मुकेंद्रीय जैव चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (सीबीएमआर) के निदेशक डॉ. आलोक धवन ने कहीं। वह लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में आयोजित अभिविन्यास कार्यक्रम में मुख्य अतिथि रहे।

वैज्ञानिक देसाई को मानद उपाधि मिलेगी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के 16 सितंबर को आयोजित होने वाले 67वें दीक्षांत समारोह में अंतरिक्ष वैज्ञानिक और इंजीनियर नीलेश एम. देसाई को प्रतिष्ठित मानद उपाधि देकर सम्मानित किया जाएगा।

उन्होंने माइक्रोवेव रडार उपग्रहों के विकास, भारतीय क्षेत्रीय नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम, क्वांटम कुंजी वितरण और तीसरे भारतीय चंद्र अन्वेषण मिशन, चंद्रयान-3 का नेतृत्व किया है। उन्होंने एक जनवरी, 2021 को अहमदाबाद के अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र के निदेशक का पद संभाला। नीलेशे देसाई ऑस्ट्रिया, चीन, फ्रांस, जर्मनी, जापान, रूस और यूनाइटेड किंगडम देशों में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

i-NEXT PAGE 4

नीलेश एम देसाई को मानद उपाधि

एलयू के दीक्षा समारोह में किया जाएगा सम्मानित

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW(7 Sept): लखनऊ विश्वविद्यालय में 16 सितंबर को दीक्षा समारोह में अंतरिक्ष विज्ञानी नीलेश एम. देसाई को सबसे प्रतिष्ठित मानद उपाधि से सम्मानित किया जाएगा. नीलेश एम. देसाई एक भारतीय इंजीनियर और अंतरिक्ष विज्ञानी हैं, जिन्हें अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोगों के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए जाना जाता है. उनका योगदान कई महत्वाकांक्षी भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रमों में फैला हुआ है. विशेष रूप से माइक्रोवेव रडार उपग्रहों के विकास, भारतीय क्षेत्रीय नेविगेशन सेटेलाइट सिस्टम, क्वांटम कुंजी वितरण और तीसरे भारतीय चंद्र अन्वेषण मिशन, चंद्रयान-3 का नेतृत्व करने में है. उन्होंने एक जनवरी, 2021 को अहमदाबाद के अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एसएसी) के निदेशक का पद संभाला. नीलेश देसाई ने ऑस्ट्रिया, चीन, फ्रांस, जर्मनी, जापान, रूस और यूनाइटेड किंगडम जैसे देशों में में इसरो और भारत का प्रतिनिधित्व किया है.

दीक्षा सप्ताह में खेल-कूद में हुनर दिखाएंगे स्टूडेंट्स

कालेज प्रशासन ने जारी की मेडल को लेकर सूचना

LUCKNOW (7 SEP): एलयू के दीक्षा समारोह से पहले 10 सितंबर से दीक्षा सप्ताह की शुरुआत होगी. 15 सितंबर तक चलने वाले इस सप्ताह में विभिन्न खेल गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी. शनिवार को एलयू एथलेटिक्स एसोसिएशन ने तिथियां इसका कार्यक्रम जारी किया.

कई प्रतियोगिताएं होंगी

एसोसिएशन के महासचिव डा. अजय कुमार आर्य ने बताया कि 10 सितंबर को सुबह 10 बजे दीक्षा सप्ताह की शुरुआत होगी. उसी दिन सुबह 11 बजे से प्रांजंपे पवेलियन मैदान में कबड्डी और खो-खो प्रतियोगिता होगी। 11 सितंबर को शिवाजी ग्राउंड में सुबह 10 बजे से वालीबाल (महिला, पुरुष) का आयोजन किया जाएगा. 14 सितंबर को प्रांजंपे पवेलियन ग्राउंड में सुबह 10 बजे से एथलेटिक्स खेल होंगे. 15 सितंबर को दोपहर तीन बजे समापन समारोह होगा.

14 व 15 को मिलेंगे परिधान

दीक्षा समारोह में स्टूडेंट्स को निर्धारित परिधान में मेडल व डिग्री लेनी होगी. इसके लिए 14 व 15 सितंबर को सुबह 10 से दोपहर तीन बजे तक परिधान वितरण किया जाएगा. 350 रुपये अंगवस्त्र और निर्धारित परिधान, कुर्ता, पायजामा 450 रुपये कैशियर कार्यालय जमा करके रसीद प्राप्त करनी होगी.

TOI PAGE 2

LU honour for space scientist

Honoris Causa degree will be conferred on Indian space scientist and engineer Nilesh M Desai Lucknow University's 67th convocation on Sep 16. Desai, who will deliver convocation address, has influenced India's space technology and applications significantly and is Director of the Space Applications Centre (SAC), Ahmedabad.

HT PAGE 6

Service a top priority for LU medal winners

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: Besides being good at academics, the winners of three coveted medals of Lucknow University have in one or another way made a mark in society. The list of winners was released by the controller of examination on Friday.

This year, the Chancellor's Gold Medal will be awarded to MA Psychology student Anushka Jain, 22. The Chancellor's medal is awarded to the best student in all faculties.

"I have always tried to balance academic and co-curricular activities. Apart from being good in academics, I have a belief that my learning should have a positive impact on society. I write poetry and stories using my knowledge of psychology which has helped several people in different ways. My Instagram page is followed by more than 1.7 lakh people," said Jain.

The Dr Chakravarti Gold Medal for service, awarded to a student who is of good behavior and is also helpful in the general social life of the university, will be given to Ayush Chauhan, 22. A student of MA Public Administration, Chauhan has been working to promote awareness about literacy and the environment for the last few years.

"I have been a NCC C certificate holder with 'A' grade and a Chief Minister's Gold medal recipient in NCC. I was also a member of different committees in the hostel and ambassador of 'My Government portal', 'NEP 2020'and 'LU Alumni Foundation'. I want to continue my initiative by joining the civil services one day. I was glad to hear that I was selected for the medal, and I am thankful to my guide and mentor Mahendra Agnihotri sir who always motivated me to give my best," said Chauhan. The VC's Gold Medal awarded to the best NCC cadet will be given to Anshika Tiwari, 20.

"I have been part of NCC for two years. I have participated in important camps including - 'Ek Bharat Shreshtha Bharat' and 'Lucknow Republic Day Camp'. I have also participated in a programme organised at Governor's House on Republic Day. I have also received a recommendation from the Additional Director General (ADG) for my briefing on INSAS rifle and a cyclathon. I am now preparing for the Combined Defence Service examination," said Tiwari .

Chancellor's Gold Medal winner Anushka Jain

Vice Chancellor's Gold Medal (NCC cadet): Anshika Tiwari

Dr Chakravarti Gold Medal awardee Ayush Chauhan

JAGRAN CITY PAGE III

अंतरिक्ष विज्ञानी नीलेश एम देसाई को मिलेगी मानद उपाधि

चंद्रयान-3 से लेकर कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्टों से जुड़े रहे नीलेश

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में 16 सितंबर को दीक्षा समारोह में अंतरिक्ष वैज्ञानी नीलेश एम. देसाई को सबसे प्रतिष्ठित मानद उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। नीलेश एम. देसाई एक भारतीय इंजीनियर और अंतरिक्ष वैज्ञानी हैं, जिन्हें अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोगों के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए जाना जाता है। उनका योगदान कई महत्वाकांक्षी भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रमों में फैला हुआ है। विशेष रूप से माइक्रोवेव राडार उपग्रहों के विकास, भारतीय क्षेत्रीय नेविगेशन सेटेलाइट सिस्टम, क्वांटम कुंजी वितरण और तीसरे भारतीय चंद्र अन्वेषण मिशन, चंद्रयान-3 का नेतृत्व करने में है। उन्होंने एक जनवरी, 2021 को अहमदाबाद के अंतरिक्ष अनुप्रयोग केंद्र (एसएसी) के निदेशक का पद संभाला। नीलेश देसाई ने ऑस्ट्रिया, चीन, फ्रांस, जर्मनी, जापान, रूस और यूनाइटेड किंगडम जैसे देशों में में इसरो और भारत का प्रतिनिधित्व किया है।

अंतरिक्ष वैज्ञानी नीलेश एम. देसाई • सौजन्य से लीवि

दीक्षा सप्ताह में होंगी खेल प्रतियोगिताएं

• 10 सितंबर से दीक्षा सप्ताह की शुरुआत होगी

मितंगा दीक्षा समारोह के दिन पंडाल • लखनऊ : लवि के दीक्षा समारोह से पहले 10 सितंबर से दीक्षा सप्ताह की शुरुआत होगी। 15 सितंबर तक चलने वाले इस सप्ताह में विभिन्न खेल गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी। शनिवार को लवि एथलेटिक्स एसोसिएशन ने तिथियां इसका कार्यक्रम जारी किया। एसोसिएशन के महासचिव डा. अजय कुमार आर्य ने बताया कि 10 सितंबर को दीक्षा सप्ताह की शुरुआत होगी। उसी दिन सुबह 11 बजे से प्रांजंपे पवेलियन मैदान में कबड्डी और खो-खो प्रतियोगिता होगी। 11 सितंबर को शिवाजी ग्राउंड में सुबह 10 बजे से वालीबाल (महिला, पुरुष) का आयोजन किया जाएगा। 14 सितंबर को प्रांजंपे पवेलियन ग्राउंड में सुबह 10 बजे से एथलेटिक्स खेल होंगे। 15 सितंबर को दोपहर तीन बजे समापन समारोह होगा।

लवि दीक्षा समारोह में शिया पीजी कालेज के मेधावी पाएंगे नौ मेडल

जारी की सूचना

जासं • लखनऊ : लवि में 16 सितंबर को होने वाले दीक्षा समारोह में इस बार भी शिया पीजी कालेज में मेधावी मेडल सूची में अपनी जगह बनाने में सफल रहे हैं। जारी प्रस्तावित सूची में शिया कालेज के दो छात्र और तीन छात्राओं ने कुल नौ मेडल अपने नाम किए हैं। कालेज के प्राचार्य प्रो. शम्भीर राज चाकरी ने कहा कि मेडल पाने वाले छात्र-छात्राओं को जल्द ही कालेज भी सम्मानित करेगा।

कालेज के मीडिया प्रभारी डा. प्रदीप शर्मा ने बताया कि एल.एल.बी की छात्रा जीनत फातिमा को प्रतिष्ठित चांसलर ब्रांज मेडल, हीरा मलिक को पंडित विशेश्वर नाथ एडवोकेट गोल्ड मेडल सहित श्री केएल सक्सेना मेमोरियल गोल्ड मेडल के लिए चयन हुआ है। एल.एल.बी के छात्र शिखर भारती ने डा. आरसी निगम मेमोरियल गोल्ड मेडल, जैदी पटवी एडवोकेट गोल्ड मेडल सहित कुल तीन मेडल अपने नाम किए हैं। एम.एससी (जन्तु विज्ञान) की छात्रा जैसमीन आरा को मेहता जूलौजिकल सोसाइटी आफ इंडिया केएल भाई मेमोरियल जनरैलिअम गोल्ड मेडल के लिए चयनित किया गया है।

शिखर भारती, तीन गोल्ड मेडल

हीरा मलिक, दो गोल्ड मेडल

जैसमीन आरा, दो गोल्ड मेडल

गौरव त्रिपाठी, गोल्ड मेडल

समारोह में दी जाएगी करीब एक लाख छह हजार डिग्रियां

लवि के दीक्षा समारोह में स्नातक, परास्नातक व पीएच.डी मिलाकर करीब एक लाख छह हजार डिग्रियां दी जाएंगी। करीब 107 मेधाविनी को 196 मेडल देकर सम्मानित किया जाएगा। इनमें करीब 74 छात्रा और 33 छात्र हैं। सर्वाधिक 13 मेडल एम.एससी मैथमेटिक्स की छात्रा शैलजा चौरसिया को मिलेंगे। इनमें 10 गोल्ड, शामिल हैं। एल.एल.बी तीन वर्षीय पाठ्यक्रम की छात्रा वैष्णवी मिश्रा को नौ गोल्ड और एम.ए एआइएच की छात्रा रीमा चौधरी ने आठ गोल्ड, एक बुक प्राइज मिलेगा।

ललित कला के नए मेडल की प्रक्रिया अधूरी

लवि ने दीक्षा समारोह में इस बार ललित कला में रागिनी उपाध्याय गोल्ड मेडल की शुरुआत होने में संशय है। नेपाल ललित कला अकादमी की पूर्व चांसलर रागिनी उपाध्याय की ओर से आरंभ करने का प्रस्ताव रखा था। कार्य परिषद से भी इसे मंजूरी मिल चुकी। लेकिन अभी तक उनकी ओर से प्रक्रिया पूरी नहीं की गई। कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि इस मेडल की प्रक्रिया पूरी किए जाने की जानकारी नहीं मिली है। सभी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही मेडल दिया जाता है।

LOKSATYA PAGE 3

'नवाचार को बढ़ावा देने के लिए अलग तरीके से सोचे विद्यार्थी'

प्रो. आलोक राय का सम्मान करतीं प्रो. जीत्स, बाबा मैं ब्र.लंगया व प्रो. आलोक धवन

जासं • लखनऊ: लवि के मालवीय अंतर्विषय अनुसंधान को उत्प्रेरकता देने का आह्वान किया। कुलपति प्रो. आलोक राय ने जोर दिया कि विश्वविद्यालय छात्रों के दिमाग को पेटेंट करने के बजाय उनका विकास करना चाहता है, क्योंकि उच्च शिक्षा पश्चात ये छिड़कने के वहां में नहीं हैं। विज्ञान संकाय को डीन प्रो. शशि मिश्रा ने बुलाओं में आवकार को पिंक करते हुए, इंटरनेट का सीमित उपयोग करने के लिए कहा। साथ ही छात्रों को अपनी पढ़ाई और मनोरंजन के बीच संतुलन बनाने की सलाह दी।

शिक्षक देंगे संपत्ति का ब्योरा

लखनऊ : शासन के आदेश के क्रम में अब लवि के शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों को भी अपनी चल-अचल संपत्ति का विवरण मानव संपदा पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड करना होगा। इसके लिए सभी विभागों को उनके शिक्षकों व कर्मचारियों के ईएचआरएमएस कोड एवं पासवर्ड भेज दिए गए हैं। कुलसचिव विद्यानंद त्रिपाठी की ओर से शनिवार को जारी पत्र के अनुसार जिनके पास ईएचआरएमएस कोड एवं पासवर्ड नहीं हैं, वह ज्ञानसिन्धु भवन स्थित डीटीपी अनुभाग से संपर्क करें। सूचनाएं 30 सितंबर तक अनिवार्य रूप से पोर्टल पर अपने स्तर से दर्ज करें। (जाहा)

चारित्रिक शक्तियों का विकास करेगा बीमारियों से बचाव

लखनऊ,लोकसत्य। वर्तमान परिदृश्य में बढ़ रही मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के आंकड़ें यह दर्शाते हैं कि अच्छे मानसिक स्वास्थ्य में चारित्रिक शक्तियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। अनुभूति जैन, प्रवक्ता मनोविज्ञान, राजकीय महाविद्यालय कुचलाई, सीतापुर, को मनोविज्ञान विषय में डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की गई।

इस शोध प्रबंध के वाह्य परीक्षक प्रोफेसर राकेश पाण्डेय, पूर्व विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग, बी. एच. यू., वाराणसी थे। शोध प्रबंध का विषय था। प्रोफेसर मधुरिमा प्रधान, पूर्व विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान विभाग एवं संस्थापक निदेशक, हैप्पी थिंकिंग लैबोरेट्री, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, एवं सहायक शोध परिवेक्षक, प्रोफेसर विवेक अग्रवाल, विभागाध्यक्ष, मानसिक चिकित्सा विभाग, किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ के निर्देशन में किए गए इस शोध में अवसाद एवं चिंता के 18 वर्ष से 40 वर्ष की आयु वाले 60 मरीजों को सम्मिलित किया गया। साथ ही साथ 60 मानसिक रूप से स्वस्थ प्रायोजकों को भी इस शोध में शामिल कर के एक तुलनात्मक अध्ययन किया गया। इस शोध के माध्यम से बताया गया की प्रत्येक व्यक्ति में बुद्धि, साहस, मानवता, न्याय, संयम और उत्कृष्टता के छः सद्गुण और उनसे जुड़ी 24 चारित्रिक शक्तियां होती हैं जिनमे से 3 से 5 शक्तियां उनकी हस्ताक्षर शक्तियां होती हैं। शोध के परिणामों में पाया गया कि मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति अपनी इन चारित्रिक शक्तियों का प्रदर्शन सामाजिक रूप से स्वीकृत व्यवहारों के माध्यम से कर पाने में सफल होते हैं जबकि मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्तियों में इनका प्रदर्शन कर पाने का कौशल नहीं होता। शोध में बताया गया की इसका एक प्रमुख कारण यह है कि मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्तियों को अपनी शक्तियों की सार्थक जानकारी नहीं होती जिसके कारण वह उनका उचित प्रयोग नहीं कर पाते। आमतौर पर ऐसे व्यक्ति तनाव अथवा चिंता से निपटने हेतु अपने अंदर उपस्थित कमियों को ठीक करने की कोशिश करते हैं किंतु इस प्रक्रिया में वह अपने भीतर मौजूद गुणों पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पाते जिसके कारण वह एक नकारात्मक चक्रव्यूह में घिरे रहते हैं।

शोध में यह पाया गया की उत्तम मानसिक स्वास्थ्य के लिए ना केवल कमियों को सही करना आवश्यक है अपितु व्यक्ति के अंदर पाए जाने वाले सकारात्मक मूल्यों एवं शक्तियों को बढ़ावा देना भी उतना ही महत्त्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त परिणामों से यह भी पता चला कि चारित्रिक शक्तियां कम या अधिक मात्रा में सभी व्यक्तियों के भीतर पाई जाती हैं तथा दैनिक जीवन में इनका प्रयोग कर के व्यक्ति अपनी शक्तियों को निखार कर प्रखर कर सकता है जिसका उसके मानसिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता पाया गया। चारित्रिक शक्तियों के साथ साथ मानसिक रक्षा युक्तियों पर भी शोध किया गया और यह पाया गया की अच्छे मानसिक स्वास्थ्य को पाने में श्रेष्ठ मूल्यों के साथ साथ सकारात्मक मानसिक रक्षा युक्तियों की भी अहम भूमिका है। उल्लेखनीय है कि तनाव की स्थिति में व्यक्ति की चिंतन क्षमता सही दिशा में कार्य नहीं कर पाती जिस कारण विषम परिस्थितियों से निपटने हेतु व्यक्ति अधिकतर कुअनुकूलित उपायों को अपनाता है।

शोध

- स्वास्थ्य प्रायोज्यों शोध में शामिल कर तुलनात्मक अध्ययन किया

DEGREE, MEDAL WINNERS TO GET OUTFITS IN ADVANCE

Those students getting both a degree and medal will be required to wear the prescribed attire to receive their honours. The traditional clothes will be available for distribution to the students on September 14 and 15 from 10am – 3pm. The shoulder garment will be available for Rs 350 and the prescribed traditional clothes – kurta and pajama will be available for Rs 450. The students must deposit the amount in the cashier's office and receive a receipt.

PRE-CONVOCATION CELEBRATIONS FROM SEPT 10

As part of the pre-convocation ceremony of Lucknow University, a sports week will begin from September 10. On the first day, Kabbadi and Kho Kho will be organised at Paranjape Pavillion Ground. Vollyball for both male and female students will be held on September 11at Shivaji ground, athletics will be organised at Pranjape Pavillion ground on September 14 and the event will conclude after a valedictory session on September 15.

HONORIS CAUSA FOR SPACE SCIENTIST

Engineer and a space scientist known for his contributions in the field of space technology and applications, Nilesh M Desai will be honoured with an Honoris Causa during the 67th Convocation function.

He is known to have contributed to Indian space programmes, notably spearheading the third Indian lunar exploration mission, Chandrayaan-3.